निकट भविष्य में वहां नई हवाई पट्टियों का निर्माण करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या सरकार विद्यमान विमानपत्तनों का दर्जा बढ़ाने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी, नहीं ।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) और (घ) हवाई अड्डों का उन्नयन एक सतत् प्रक्रिया है और इनका उन्नयन यथाप्रक्षित आवश्यकताओं तथा संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर चरण-बद्ध रूप से किया जाता है । राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने मध्य प्रदेश में निम्नलिखित हवाई अड्डों को आधुनिक बनाने की योजना है :—

भोपाल : यात्री टर्मीनल भवन और धावन-पथ में सुधार करना ।

इन्दौर : इसे आदर्श हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया जा रहा है ।

रायपुर : यात्री टर्मीनल भवन, एप्रन और धावनपथ में सुधार ।

जबलपुर : इसे बोइंग प्रचालनों हेतु उपयुक्त बनाना ।

Loan agreement with OECF, Japan

2511. SHRI SANJAY DALMIA : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 1411 given in the Rajya Sabha on 4th August, 1994 and state :

(a) the terms and conditions of the agreements entered into with the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan for development of infrastructural facilities along the Buddhist Travel Circuits in Uttar Pradesh and Bihar and for the development of Ajanta and Ellora in Maharashtra;

(b) the amount of loan utilised by each State, so far; and

(c) the progress of these projects so far, State-wise ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) The loan amount of 9.244 billion Japanese Yen for U.P. and Bihar project carries interest @2.5% p.a. and is repayable over 20 years with a grace period of 10 years. The loan agreement which was originally upto January, 1994 has been extended by the OECF of Japan upto January, 1997. The OECF loan assistance for the Ajanta and Ellora Project is to the tune of 3745 Million Japanese Yen and is repayable over 20 years with a grace period of 10 years at an interest of 2.6% p.a.

(b) and (c) The OECF loan is not available in advance. The executing agencies have to first incur expenditure from their own budgetary resources and then claim reimbursement from OECF. A calim of Rs. 42.76 crores has been reimbursed/processed by OECF to the States of U.P. and Bihar. The Government of Maharashtra and ASI under Ajanta and Ellora Project have incurred Rs. 52 lakhs and Rs. 24 lakhs respectively. However, they have not made any reimbursement claim to OECF.

The project in U.P. and Bihar is scheduled to be completed by March, 1996 and Ajanta and Ellora by December, 1996.

Procedure for Air India travel agency

2512. SHRIMATI KAMLA SINHA : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether it is a fact that an Air India agent in New York owing Air India over two lakh dollars has gone bankrupt;

(b) if so, what are the chances of recovery stating the amount since recovered, if and, from the agent; and

(c) what steps have been taken by Government to remove the deficiencies if any, in the procedure/terms and conditions for giving Air India travel agency both within and foreign countries ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) Yes, Sir.

(b) An amount of US $ 1,00,000 has been recovered from the agent by encashing the Letter of Credit. A legal suit has been filed

against the agent for recovery of the remaining dues.

(c) In order to reduce the financial risk, the number of tickets issued to agents has been reduced and the travel agents wanting more documents are now required to give additional guarantee in the form of certified cheques. Further no agent is allowed to hold more than 200 documents at any given point of time.

अजन्ता-एलोरा की विकास परियोजना हेतु सहायता

2513. **श्री प्रमोद महाजन :** क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अजन्ता-एलोरा/औरंगाबाद की विकास परियोजना हेतु जापान सरकार द्वारा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस संबंध में काफी सहायता उपलब्ध कराये जाने के बावजूद सरकार अभी तक कार्य की शुरूआत भी नहीं कर सकी है ,

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) सरकार इस विकास परियोजना को कब तक पूरा करने के बारे में सोच रही है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जी, हां ।

(ख) से (घ) वनरोपण, बिजली आपूर्ति, स्मारकों के संरक्षण और औरंगाबाद हवाई अड्डे के विस्तार का कार्य पहले ही शुरू किया जा चुका है । परियोजना के दिसम्बर, 1996 तक पूरी हो जाने की आशा है ।

एयर इंडिया द्वारा रायल्टी पर दिए गए रूट

2514. **श्री गोविन्दराव आदिक :**
श्री प्रमोद [illegible]जन :

क्या **नागर विमानन और [illegible]** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एयर इंडिया द्वारा रॉयल्टी पर दिए गए रूटों का ब्यौरा क्या है ।

(ख) क्या सरकार इन रूटों को इंडियन एयरलाइंस को देने पर विचार कर रही है :

यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है :
और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) जिन मार्गों पर विदेशी विमान कम्पनियां अपनी सेवाएं संचालित कर सकती हैं, वे सरकार के स्तर पर किए गए हवाई सेवा करार में विनिर्दिष्ट होते हैं । कुछ मामलों में विदेशी वाहकों द्वारा यातायात अधिकारों का प्रयोग करना राष्ट्रीय वाहकों के साथ होने वाले वाणिज्यिक करार पर निर्भर करता है । जिन मार्गों के संबंध में एयर इंडिया ने विदेशी वाहकों के साथ ऐसी वाणिज्यिक व्यवस्था की है, वे विवरण में दिए गए हैं । (नीचे देखिए) ।

(ख) से (घ) अन्तरराष्ट्रीय मार्गों पर इंडियन एयरलाइन्स के प्रचालन आरम्भ करने के लिए प्रयास किए जाते हैं जो कि उपस्करों तथा प्रचालनात्मक अवरोधों पर निर्भर करता है ।

विवरण

जिन मार्गों पर एयर इंडिया ने विदेशी वाहकों के साथ वाणिज्यिक व्यवस्था की है उनकी सूची :

1. भारत	बंग्लादेश (केवल पंचम स्वतंत्र यातायात से आगे)
2 भारत	मिश्र
3. भारत	इथोपिया
4. भारत	ईरान
5. भारत	इजराईल
6. भारत	जार्डन
7. भारत	निदरलैण्ड
8. भारत	कतार
9. भारत	रोमानिया
10. भारत	सीरिया
11 भारत	रूस
12. भारत	यू० के० (केवल को-टर्मिनल उड़ानों के लिए)
13 भारत	उक्रेन
14. भारत	यमन